

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : जून 2011

प्रश्न पत्र-IV

समय : 3 घन्टे

कुल अंक : 50

नोट :- कुल पांच प्रश्नों का उत्तर दें। प्रश्न 1 एवं 6 अनिवार्य हैं। प्रत्येक भाग से कम से कम एक और प्रश्न का उत्तर देते हुए शेष तीन प्रश्नों का उत्तर दें। सब प्रश्नों का अंक समान है।

भाग-I (दशा पद्धति)

1. किन्ही दो का उत्तर दें :-
क) विशोत्तरी दशा पद्धति में जन्म नक्षत्र का क्या योगदान है? इसकी महत्ता समझाएं।
ख) बृहस्पति महादशा में विभिन्न अन्तर दशाओं के क्या फल होंगे। (विशोत्तरी दशा पद्धति में)?
ग) योगिनी महादशा फलादेश में किन मुख्य विषयों पर विचार किया जाता है?
2. आप निम्न विषयों का ज्योतिष द्वारा कैसे समय ज्ञात करते हैं?
क) विवाह ख) संतान उत्पत्ति ग) प्रथम नौकरी घ) वाहन खरीदना
3. निम्न कुण्डली का अध्ययन कर विवाह की संभावना व समय पर प्रकाश डालें।
लग्न-वृश्चिक 24:55, सूर्य-तुला 21:53, चन्द्रमा-मेष 5:59, मंगल-तुला 16:05, बुध (व)-तुला 26:42, गुरु (व)-मीन 00:59, शुक्र-कन्या 5:53, शनि-वृश्चिक 14:23, राहु-वृषभ 26:14, (8.11.1927, 09:16, हैदराबाद, केतु 3-10-9)
4. प्रश्न 3 के जातक के व्यवसाय क्षेत्र पर प्रकाश डालें, विशेष तौर पर 1974 से 1992 की अवधि में।
5. निम्न जातक की बुध महादशा व केतु अन्तर दशा का फलादेश करें :-
लग्न-धनु 19:07, सूर्य-वृश्चिक 19:09, चन्द्रमा-वृषभ 23:56, मंगल-धनु 05:56, बुध-धनु 04:26, गुरु-सिंह 13:04, शुक्र-तुला 12:56, शनि(व)-वृषभ 29:15, राहु-कन्या 20:01 (3.12.1884, 8:20, 87 पू. 08, 25 उ. 53, मंगल 6-8-8)

भाग-II (गोचर)

6. किन्ही दो का उत्तर दें :-
क) नक्षत्र अंगफल से क्या अभिप्राय है? चर्चा करें
ख) लता के सिद्धांत पर चर्चा करें।
ग) नक्षत्र स्थितियों के प्रभाव पर लिखें।
7. बृहस्पति ग्रह के मई 2011 से मई 2012 तक के गोचर का सभी राशियों पर प्रभाव लिखें।
8. वैदिक ज्योतिष में चन्द्रमा को गोचर फलादेश के लिए क्यों आधार मानते हैं? सूर्य, शनि, मंगल राहु और केतु के लिए चन्द्रमा से कौन से भाव शुभ व अशुभ होते हैं?
9. दशा अन्तर दशा फलों पर गोचर ग्रहों का क्या प्रभाव पड़ता है? विवाह एवं संतान उत्पत्ति में कौन से विषय सहायक होते हैं?
10. शनि के 7 वर्ष एवं 6 माह के गोचर से आप क्या समझते हैं? क्या यह सदा अशुभ होता है? एक उदाहरण सहित समझाएं।